हरिभूमि

# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 30 जून 2024

15 गुरुओं के मार्ग पर चलकर धर्म का मान बढ़ाएं सिख : बलजीत

16 हर साल लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद शहर में बनी है जलभराव की समस्या

## खबर संक्षेप

### बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन की आमसभा आज

**मंडी अटेली।** खंड सिहमा में बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन की आमसभा 30 जून को बाबा खेतानाथ मंदिर में आयोजित की जाएगी। सत्यप्रकाश यादव ने बताया कि बैठक में बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन की कार्यकारिणी गठित कर नए सदस्यों को शामिल कर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

### पुण्य स्मृति में रक्तदान कैंप कल

**नारनौल।** शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप और किशन लाल शिक्षा एवं जन कल्याण समिति की ओर से स्व. किशनलाल यादव की 35वीं पुण्य स्मृति में एक जुलाई को रेडक्रॉस सोसायटी भवन 14वां रक्तदान शिविर लगेगा। इस कार्यक्रम के संयोजक पवन यादव ने बताया कि रक्तदान शिविर में 70 से 80 यूनिट का लक्ष्य रखा गया है। संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि रक्तदान में ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करें।

### हरफूल बने आर्य समाज रसूलपुर के प्रधान

**कनीना।** आर्य समाज रसूलपुर के पदाधिकारियों की अहम बैठक शनिवार को आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बुधराम यादव ने की। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करने से पूर्व त्रिवार्षिक चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई। जिसमें सर्वसम्मति से हरफूल आर्य को प्रधान, धर्मपाल को सचिव तथा सोमदत्त को कोषाध्यक्ष चुना गया। समाज उत्थान को लेकर मंथन किया गया। बैठक में सतीश आर्य, ईश्वर सिंह, अरविंद, विनोद, छाजुराम, अजीत, विरेंद्र सिंह, प्रवीन कुमार उपस्थित थे।

### पिछले चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार ही बना था भाजपा के दिग्गत नेता प्रो. रामबिलास शर्मा को हराने का कारण

# महेंद्रगढ़ विधानसभा सीट : राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियों का खेल बिगाड़ेंगे निर्दलीय प्रत्याशी

सतीश सैनी ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ विधानसभा सीट। साल 1967 से अब तक इस सीट पर भाजपा व कांग्रेस पांच-पांच बार जीती है। साल 1982 से तो कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस के हाथ में जीत की चॉबी रही। बीते 2019 के चुनाव में जरूर निर्दलीय का जोर दिखा और

■ इस बार भी कई निर्दलीय प्रत्याशी उतरेंगे मैदान में

दोनों ही पार्टियों का वोट बैंक खिसक गया। हालांकि जीत कांग्रेस की हुई, पर उस चुनाव ने सदैव दो उम्मीदवार (भाजपा से प्रो. रामबिलास शर्मा व कांग्रेस से राव दानसिंह) के बीच तीसरे की एंट्री ने जरूर टेंशन बढ़ा दी। जनता का मन तीसरे विकल्प की तरफ भी कुछ दिखाई देने लगा। यहीं कारण है कि इस बार होने वाले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या अधिक हो सकती है।

साल 2019 के चुनाव परिणाम पर नजर डाले तो 1,95,655 मतदाताओं में से 1,43,340 ने वोट डाले थे। मतलब 73.26 फीसदी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राव दानसिंह को 46,478 (32.43 प्रतिशत) व भाजपा प्रत्याशी रामबिलास शर्मा को 36,258 (25.30 प्रतिशत) वोट मिले। सबसे चौहाने वाला परिणाम निर्दलीय उम्मीदवार संदीप सिंह का रहा। संदीप सिंह ने 33,077 (23.08 प्रतिशत) वोट हासिल किए। इसके बाद जेजेपी उम्मीदवार रमेश पालड़ी ने 12,118 (8.48 प्रतिशत), निर्दलीय उम्मीदवार सुरेंद्र कौशिक ने 5302 (3.70 प्रतिशत),राष्ट्रीय जनता पार्टी से राकेश तंवर ने 3435 (2.40 प्रतिशत), निर्दलीय उम्मीदवार राकेश उर्फ गौतम बुडीन ने 3351 (2.34 प्रतिशत) व बसपा उम्मीदवार धर्मेंद्र को 859 (0.60 प्रतिशत) वोट मिले। इस तरह राव दानसिंह ने 10220 वोट से जीत दर्ज की। मतलब कांग्रेस को भाजपा से 27.46 फीसदी वोट अधिक मिले। इस चुनाव में भाजपा का पिछले चुनाव के

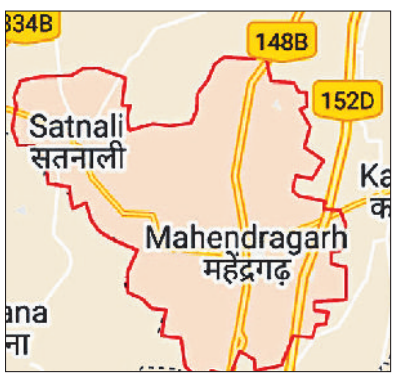


महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र

मुकाबले 34.59 फीसदी वोट बैंक खिसक गया। यह खेल निर्दलीय उम्मीदवार संदीप सिंह ने बिगाड़ा। संदीप सिंह व अन्य उम्मीदवारों को मिले वोट के कारण कांग्रेस 2.79 फीसदी व भाजपा को 34.59 फीसदी वोट पहले के मुकाबले कम मिले।

#### कब कौन बना विधायक

| साल | दल | उम्मीदवार |
|---|---|---|
| 1967 | स्वतंत्र | हरिसिंह |
| 1968 | विहिप | हरिसिंह |
| 1972 | कांग्रेस | निहालसिंह |
| 1977 | विहिप | दलीप सिंह |
| 1982 | भाजपा | प्रो. रामबिलास शर्मा |
| 1987 | भाजपा | प्रो. रामबिलास शर्मा |
| 1991 | भाजपा | प्रो. रामबिलास शर्मा |
| 1996 | भाजपा | प्रो. रामबिलास शर्मा |
| 2000 | कांग्रेस | राव दानसिंह |
| 2005 | कांग्रेस | राव दानसिंह |
| 2009 | कांग्रेस | राव दानसिंह |
| 2014 | भाजपा | प्रो. रामबिलास शर्मा |
| 2019 | कांग्रेस | राव दानसिंह |

निर्दलीय होने व पहली बार चुनाव लड़ने के बावजूद संदीप सिंह भाजपा उम्मीदवार रामबिलास से महज 3181 वोट पीछे रहे। ऐसे में इस बार निर्दलीय दोनों राष्ट्रीय पार्टियों का खेल बिगाड़ सकते है।

#### यह हो सकते हैं संभावित उम्मीदवार

दो से तीन माह के बाद विधानसभा चुनाव होने है। राजनीति पार्टी व निर्दलीय चुनाव लड़ने की चाह रखने वाले संभावित कुछ उम्मीदवार तो फिल्ड में भी उतर गए है। इनेलो ऐसी पहली पार्टी है जिसने चुनाव घोषित होने से पहले ही अपना उम्मीदवार (सुरेंद्र कौशिक) घोषित कर दिया है। वहीं भाजपा से प्रो. रामबिलास शर्मा, कंवरसिंह यादव व कैलाश पाली उम्मीदवार की दौड़ में है। कांग्रेस से राव दानसिंह या उनके बेटे अक्षत राव और सतबीर झुकिया दौड़ में है। जेजेपी से राजकुमार खातोद, संजीव तंवर व राव रमेश पालड़ी और आम आदमी पार्टी से डा. मनीष यादव उम्मीदवारी दौड़ में है। वहीं अगर हम निर्दलीय प्रत्याशियों की बात करें तो पूर्व एसडीएम संदीप सिंह, डा. भूपसिंह यादव व बलवान फौजी है। इन निर्दलीय में कुछ उम्मीदवार किसी पार्टी की टिकट मिले तो उससे भी चुनाव लड़ सकते है। दूसरी बात, महेंद्रगढ़ में एक ओर आमजन में चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की पूर्व में विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी ने मदद की थी। ऐसे में भाजपा के कुछ नेता उनके सम्पर्क में भी है। अगर यह सच है तो भाजपा इस सीट पर चौका भी सकती है।

## स्नातक स्तरीय दाखिले के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि आज

**सतनाली मंडी।** कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की 30 जून अंतिम तिथि है। सतनाली कॉलेज के

■ सतनाली कॉलेज में अब तक आ चुके हैं 983 आवेदन

ऑनलाइन एडमिशन नोडल ऑफिसर अनिल कुमार ने बताया कि स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष में दाखिलों के लिए 25 जून थी, जिसे बढ़ाकर 30 जून किया गया है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में बीए, बीएससी, मैडिकल व नॉन मेडिकल, बीकॉम के अलावा बीएससी कम्प्यूटर साइंस की कुल 700 सीटों के लिए नई शिक्षा नीति के

सतनाली। राजकीय महाविद्यालय भवन। फोटो : हरिभूमि

तहत दाखिले किए जाएंगे हैं। उन्होंने बताया कि सतनाली कॉलेज में बीए की 380 सीटों के लिए अब तक 697, बीकॉम की 80 सीटों के लिए 52, बीएससी मेडिकल की 60 सीटों के लिए 77 तथा बीएससी नॉन मेडिकल व कम्प्यूटर साइंस की कुल 180 सीटों के लिए 157 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि शैड्यूल के अनुसार दो जुलाई तक डोक्यूमेंट वैरिफेशन के बाद चार जुलाई को प्राविजनल तथा पांच जुलाई को फाइनल मेरीट लिस्ट जारी की जाएगी। जिसमें स्थान पाने वाले विद्यार्थी पांच से नौ जुलाई तक फीस जमा करवा सकते हैं। 10 जुलाई को प्राविजनल तथा 11 जुलाई को फाइनल मेरीट लिस्ट जारी की जाएगी जिसमें स्थान पाने वाले विद्यार्थी 11 से 13 जुलाई तक फीस जमा करवा सकते हैं।

प्राचार्य विरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि कॉलेज में स्नातक स्तर के दाखिले की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में एमए इतिहास, एमएससी ज्योग्राफी एवं एमएससी कैमिस्ट्री की 40-40 सीटें हैं, जिनमें दाखिले का अभी शैड्यूल नहीं आया है।

## एक माह के अवकाश के बाद सोमवार से स्कूलों में लौटेगी रौनक

**कनीना।** गर्मी की एक माह की छुट्टियों के बाद सोमवार से शिक्षण संस्थान खुलने पर रौनक लौटेगी। माहभर की मस्ती के बाद होमवर्क पूरा न करने वाले कुछ विद्यार्थियों को स्कूल जाने की चिंता सताने लगी है वहीं अधिकांश विद्यार्थी उत्साह व आत्म विश्वास से लबरेज दिखाई दे रहे हैं। विदित रहे कि शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों की ओर से एक जून से 30 जून तक ग्रीष्म अवकाश घोषित किए गए थे। चालू वित्तवर्ष में रिकार्डतोड़ गर्मी पड़ने तथा हीटवेव चलने के चलते अधिकांश विद्यार्थी भ्रमण पर भी नहीं जा सके। उन्होंने परिजनों के साथ घर पर रहना ही उचित समझा। प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदेव यादव ने कहा कि एक माह बाद सोमवार से स्कूलों में चहल-पहल शुरू होगी। विद्यार्थी नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शिक्षा ग्रहण करेंगें। जिसके लिए शिक्षक भी पूरी तरह से तैयार हैं।

An Excellent School of Haryana Board in Distt. Mahendergarh since 1974

NURTURING Tomorrow...

ॐ
|| स्वयमेव मृगेन्द्रता ||

SARASWATI

Affiliated to HBSE

BAL MANDIR SENIOR SECONDARY SCHOOL

Pul Bazar, Narnaul, Distt. M/Garh (Hry.)

(Co-Educational English Medium)
Sciecne, Commerce & Arts

Heartiest Congratulations to all the Parents, Teachers & Our Glittering Stars for Excellent Success

Meritorious Students of 12th Std.

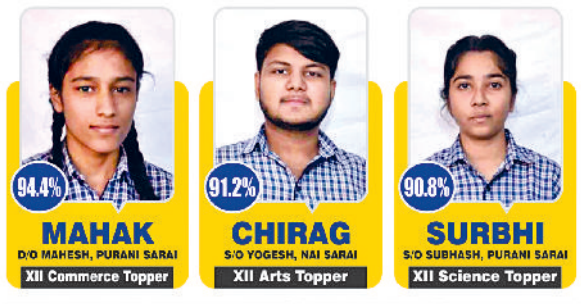


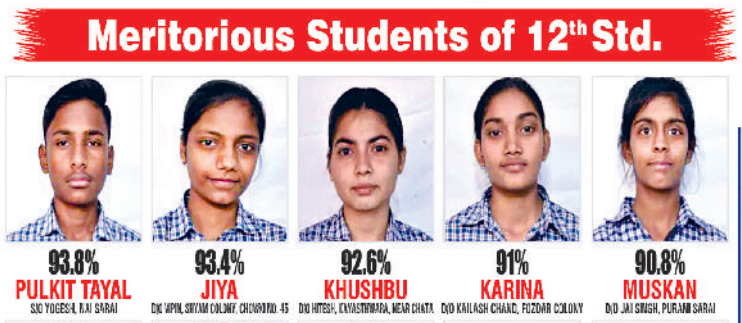


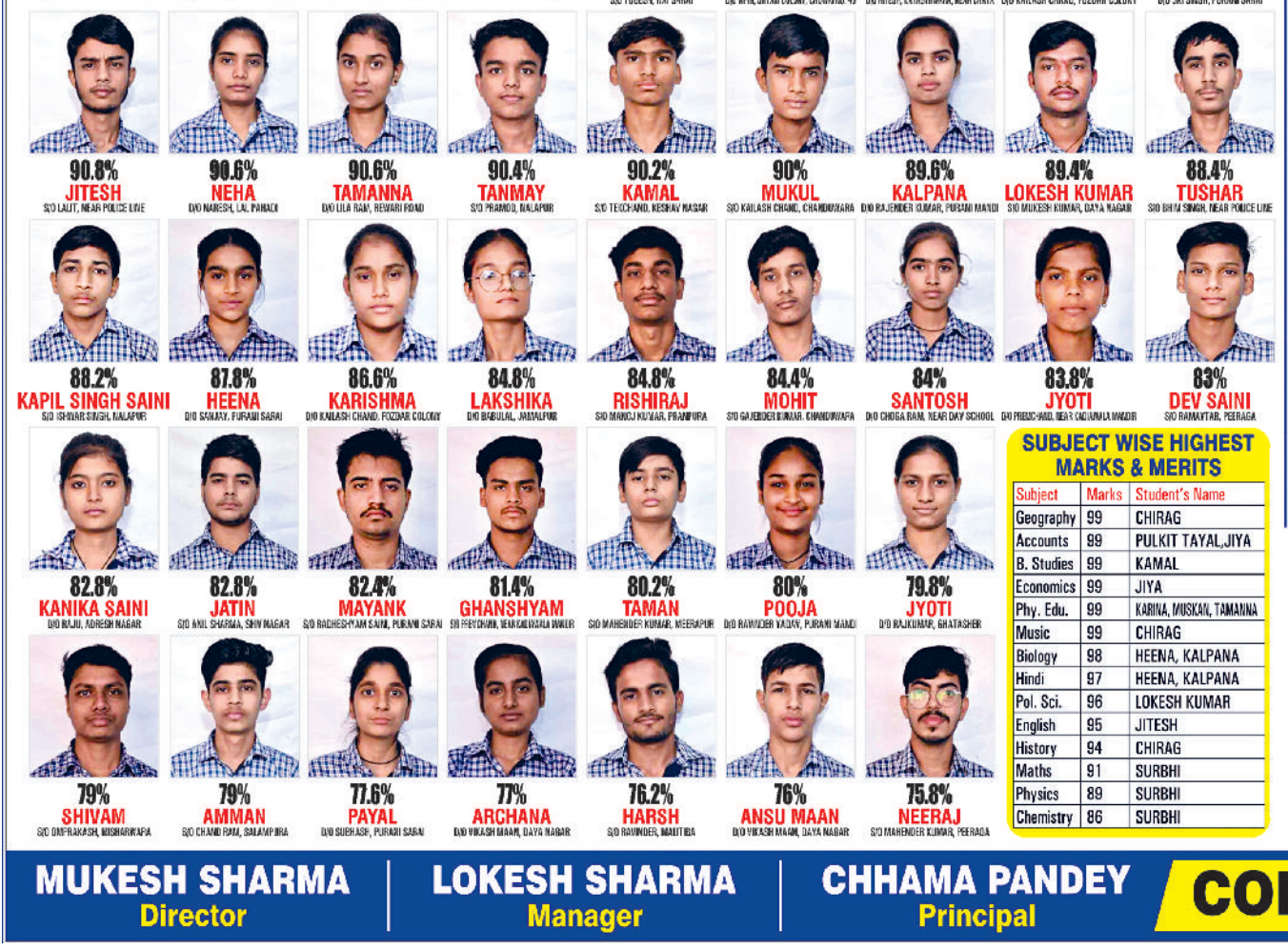


SUBJECT WISE HIGHEST MARKS & MERITS

| Subject | Marks | Student's Name |
|---|---|---|
| Geography | 99 | CHIRAG |
| Accounts | 99 | PULKIT TAYAL,JIYA |
| B. Studies | 99 | KAMAL |
| Economics | 99 | JIYA |
| Phy. Edu. | 99 | KARINA, MUSKAN, TAMANNA |
| Music | 99 | CHIRAG |
| Biology | 98 | HEENA, KALPANA |
| Hindi | 97 | HEENA, KALPANA |
| Pol. Sci. | 96 | LOKESH KUMAR |
| English | 95 | JITESH |
| History | 94 | CHIRAG |
| Maths | 91 | SURBHI |
| Physics | 89 | SURBHI |
| Chemistry | 86 | SURBHI |

Meritorious Students of 10th Std.

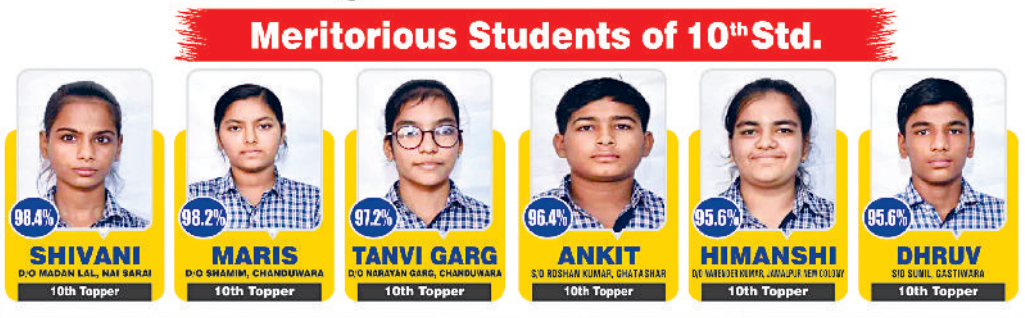


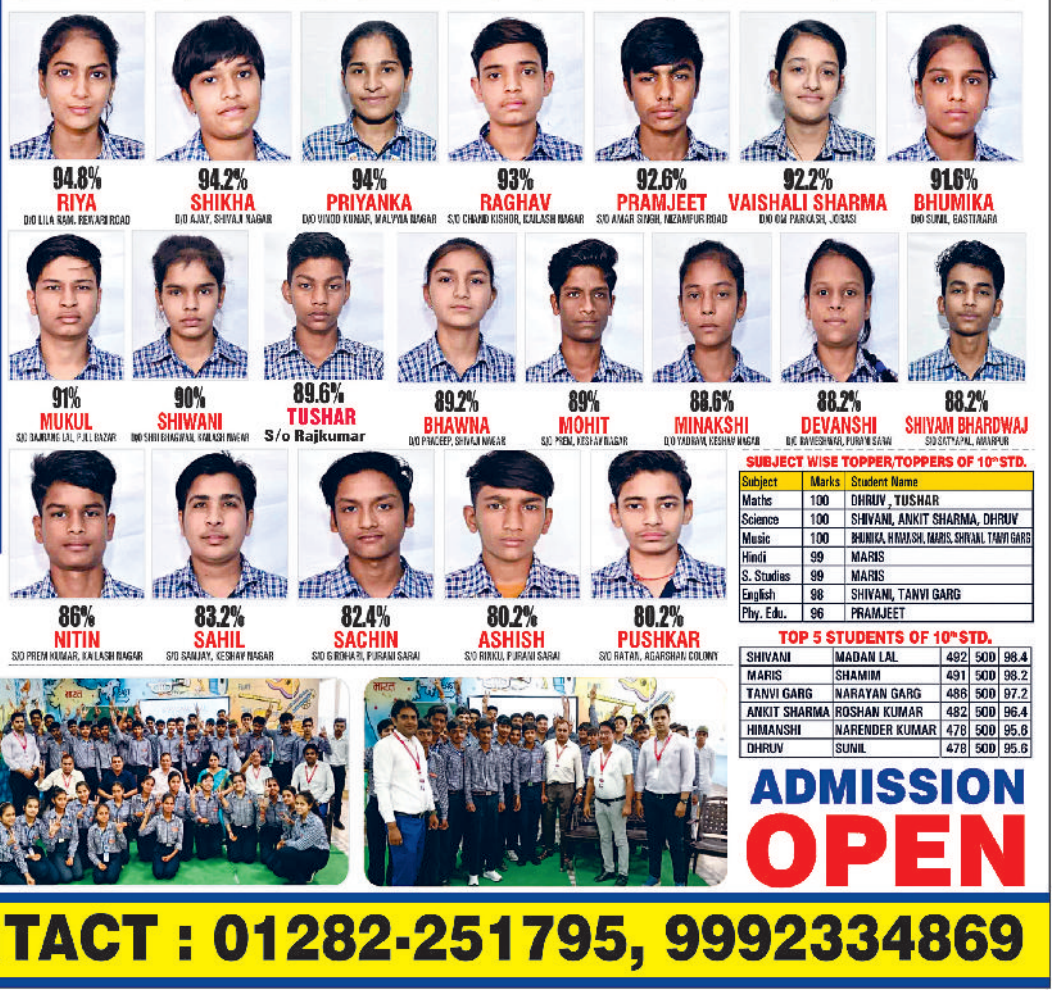


SUBJECT WISE TOPPER/TOPPERS OF 10TH STD.

| Subject | Marks | Student Name |
|---|---|---|
| Maths | 100 | DHRUV , TUSHAR |
| Science | 100 | SHIVANI, ANKIT SHARMA, DHRUV |
| Music | 100 | BHUMIKA, HIMANSHI, MARIS, SHIKHA, TANVI GARG |
| Hindi | 99 | MARIS |
| S. Studies | 99 | MARIS |
| English | 98 | SHIVANI, TANVI GARG |
| Phy. Edu. | 96 | PRAMJEET |

TOP 5 STUDENTS OF 10TH STD.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| SHIVANI | MADAN LAL | 492 | 500 | 98.4 |
| MARIS | SHAMIM | 491 | 500 | 98.2 |
| TANVI GARG | NARAYAN GARG | 488 | 500 | 97.2 |
| ANKIT SHARMA | ROSHAN KUMAR | 482 | 500 | 96.4 |
| HIMANSHI | NARENDER KUMAR | 478 | 500 | 95.6 |
| DHRUV | SUNIL | 478 | 500 | 95.6 |





ADMISSION OPEN

MUKESH SHARMA
Director

LOKESH SHARMA
Manager

CHHAMA PANDEY
Principal

CONTACT : 01282-251795, 9992334869

*अगर सिर्फ डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें, तो मल्टी-कैप फंड को इस मामले में बेहतर माना जा सकता है, क्योंकि इसके पोर्टफोलियो में हर वक्त लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप सेगमेंट के शेयर शामिल रहते हैं। इसकी वजह से इसे रिस्क-रिटर्न ट्रेड-ऑफ के लिहाज से बेहतर माना जा सकता है, लेकिन अगर आप फंड मैनेजर की समझदारी पर ज्यादा भरोसा करते हैं और निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल एप्रोच यानी लचीलेपन को पसंद करते हैं, तो फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करना बेहतर रहेगा। आप फैसला कुछ भी करें, यह बात जरूर याद रखें कि इन दोनों ही कैटेगरी के फंड*

## म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को पहले कर लेना चाहिए तय

निवेश मंत्रा

# निवेश के लिए क्या बेहतर फ्लेक्सीकैप यह मल्टीकैप

बिजनेस डेस्क

निवेश हर कोई करना चाहता है, लेकिन बाजार के उतार चढ़ाव से कई बार डर जाता है। ऐसे में निवेशक को पहले अपनी रिस्क क्षमता को देख लेना चाहिए। इसके बाद ही निवेश की दुनिया में कदम रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कई बार यह तय करने में उलझन होती है कि अपने पैसे फ्लेक्सी कैप फंड में लगाएं या मल्टी-कैप फंड में। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि दोनों ही तरह के फंड पहली नजर में एक जैसे ही लगते हैं, क्योंकि दोनों फंड्स के जरिए पूरे बाजार के अलग-अलग सेगमेंट के शेयरों में निवेश किया जाता है। इसलिए डायवर्सिफाइड फंड की तलाश कर रहे निवेशकों को इन दोनों ही तरह के फंड्स में से किसी एक का चुनाव करने में थोड़ा कनफ्यूजन होना आम बात है, लेकिन दोनों फंड एक जैसे लगने के बावजूद असल में पूरी तरह एक जैसे नहीं हैं। किस निवेशक को इनमें से किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, यह जानने के लिए दोनों फंड्स के अंतर को समझना जरूरी है। इसके बाद ही इन फंडों में निवेश करना चाहिए। दोनों फंडों की क्षमता, रिस्क और रिटर्न कई मायनों में काफी अलग होते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कौन से फंड निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं।

### फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड में फंड मैनेजर को किसी पाबंदी के बिना लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में आने वाले किसी भी स्टॉक में निवेश करने की पूरी छूट होती है। यह लचीलापन मैनेजर को बाजार की परिस्थितियों के आधार पर अपने हिसाब से अलग-अलग सेगमेंट और सेक्टर के शेयरों में फंड अलोकेट करने की इजाजत देता है। अगर फंड मैनेजर को लगता है कि लार्ज कैप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे फंड का एक बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप स्टॉक में अलोकेट कर सकते हैं। इसी तरह, जरूरत पड़ने पर मिड-कैप या स्मॉल-कैप स्टॉक में भी फंड अलोकेशन कम या ज्यादा कर सकते हैं।

### मल्टी-कैप फंड

*मल्टी-कैप फंड के पूरे पोर्टफोलियो में, लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप तीनों सेगमेंट के शेयरों को शामिल करना जरूरी है। फंड मैनेजर को इनमें से हर सेगमेंट में हर वक्त कम से कम 25 फीसदी अलोकेशन बनाए रखना पड़ता है। यानी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में से हरेक में 25-25 फीसदी निवेश रखना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि मल्टी-कैप फंड में डायवर्सिफिकेशन का लेवल हमेशा बना रहे।*

### यह भी जान लीजिये

फ्लेक्सी कैप फंड्स की तुलना में मल्टी कैप फंड्स की संख्या काफी कम है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ साल पहले सेबी ने मल्टी कैप फंड की परिभाषा में बदलाव करके फंड एलोकेशन को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप में बांटना जरूरी कर दिया, तो बहुत सारे फंड्स कैटेगरी बदलकर फ्लेक्सीकैप में चले गए। इन फंड्स ने ऐसा इसलिए किया, ताकि अपनी निवेश रणनीति में लचीलापन बनाए रखा जा सके।

### क्या दोनों फंडों में फर्क

मल्टीकैप फंड के पोर्टफोलियो में 25-25 फीसदी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक बनाए रखने की वजह से जो अनिवार्य डायवर्सिफिकेशन होता है, वही इसे फ्लेक्सी कैप फंड से अलग करने वाला सबसे बड़ा फर्क है। इस अनिवार्यता की वजह से मल्टीकैप फंड में लार्ज कैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप की मौजूदगी भी हमेशा ही बनी रहती है, जबकि फ्लेक्सीकैप फंड के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं है। फ्लेक्सीकैप फंड का मैनेजर चाहे तो पूरा इक्विटी निवेश सिर्फ लार्जकैप में भी कर सकता है या उसे लार्ज और मिडकैप में बांटकर स्मॉलकैप से दूर रहने का फैसला भी कर सकता है, लेकिन मल्टीकैप फंड के मैनेजर के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है।

### डायवर्सिफिकेशन भी जरूरी

डायवर्सिफिकेशन किसी भी निवेश पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सही तरीके से किया गया डायवर्सिफिकेशन आपके पोर्टफोलियो के परफॉरमेंस को काफी बेहतर बना सकता है। म्यूचुअल फंड के मामले में मल्टी-कैप और फ्लेक्सी कैप दोनों फंड आपके निवेश को डायवर्सिफाई करने यानी उसमें विविधता लाने में मददगार साबित हो सकते हैं। हमने ऊपर यह भी देखा कि डायवर्सिफिकेशन के लिहाज से दोनों फंड्स में क्या फर्क है। इसे देखते हुए ही आपको एक निवेशक के रूप में तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा फंड बेहतर रहेगा।

### पिछला प्रदर्शन

मल्टी-कैप फंड और फ्लेक्सी कैप फंड के पिछले प्रदर्शन की तुलना करें तो पता चलता है कि दोनों कैटेगरी के फंड्स के औसत सालाना रिटर्न में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट के मुताबिक टॉप 10 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में 16.11 फीसदी से 21.88 फीसदी के बीच सालाना रिटर्न दिया है। पिछले 5 साल में इस कैटेगरी के टॉप 10 फंड्स का रिटर्न 19.96 फीसदी से 34.22 फीसदी के बीच रहा है। एएमएफआई की वेबसाइट के मुताबिक इस वक्त मल्टी कैप कैटेगरी में सिर्फ 6 ऐसे फंड हैं, जिनका पिछले 10 साल का रिकॉर्ड उपलब्ध है और इस दौरान इन फंड्स ने 16.46 फीसदी से 22.79 फीसदी के बीच औसत सालाना रिटर्न दिया है। वहीं, जिन 8 मल्टी कैप फंड्स के पिछले 5 साल के प्रदर्शन का रिकॉर्ड एएमएफआई की वेबसाइट पर मौजूद है।

*कब डबल होंगे पैसेः आपकी बचत के पैसे दोगुने कब होंगे इसकी गणना का एक आम नियम काफी प्रचलित है। ये नियम रूल 72 है। फाइनेंस में इसका खूब इस्तेमाल होता है। रूल 72 के जरिए आप यह जान सकते हैं कि आपके निवेश के पैसे कितने समय में दोगुने हो जाएंगे।*

# इस फॉर्मूले से करेंगे निवेश तो 7 साल 2 माह में डबल

**बिजनेस डेस्क।** अगर आप भी कम समय में करोड़पति बनना चाहते हैं या अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको भी यह नियम अपना लेना चाहिए। इससे आप आसानी से पैसा बटोर सकेंगे और कम समय में ही अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। ज्यादातर जानकारों का कहना है कि अगर वजन कम करना है तो कम खाइए और ज्यादा व्यायाम कीजिए, पैसों का मामला भी कुछ ऐसे ही है। खर्च कम कीजिए और ज्यादा बचत कीजिए तो आपका पास अच्छा खासा बैंक बैलेंस होगा। रिटायरमेंट या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के लिए आप जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे। लक्ष्य के करीब आने तक आप उतने ही धनवान होंगे। इसके लिए सबसे सटीक फॉर्मूला है। रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में आपका पैसा डबल हो जाएगा। यही नहीं अगर पैसे को इन्वेस्ट रखा जाए तो तीन गुना या फिर चार गुना भी बढ़ाया जा सकता है।

### कम्पाउंड इंट्रस्ट करेगा हेल्प

आपको सिर्फ अपनी बचत की निरंतरता बनाए रखनी है और बाकी का काम चक्रवृद्धि ब्याज (कम्पाउंड इंट्रस्ट) समय के साथ करता रहेगा। चक्रवृद्धि का फायदा लॉन्ग टर्म में देखते ही बनता है और यह लंबी अवधि में आपको करोड़पति बनाने में भरपूर काम करता है। इसलिए जब भी निवेश की गाड़ी स्टार्ट करें, निवेश का लंबा लक्ष्य रखें, मसलन बच्चों की शादी, शिक्षा या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग। ऐसे लक्ष्य लेकश्लंबी अवधि के लिए निवेश शुरू करेंगे तो आप आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे और अच्छा खासा रिटर्न प्राप्त कर लेंगे और देखते ही देखते अपने सभी गोल पूरे कर सकेंगे।

### कम्पाउंड इंट्रस्ट कैसे करता है काम

अब जानकारी लेते हैं कि आखिर यह कम्पाउंड इंट्रस्ट काम कैसे करता है। यानी यह आपको अमीर बनाने की क्षमता कैसे रखता है। मान लीजिए आप 100 रुपये कहीं जमा करते हैं और उस पर सालाना 10% का ब्याज मिलता है। एक साल बाद आपके पास 110 रुपये होंगे। अगले वर्ष चक्रवृद्धि के कारण आपको 110 रुपये पर 10% का ब्याज मिलेगा और आपके पैसे बढ़ कर 121 रुपये हो जाएंगे। फिर अगले वर्ष 121 रुपये पर 10% ब्याज प्राप्त होगा।

- पैसा बढ़ाने का सबसे सटीक नियम, करें अप्लाई
- यह नियम आपको जल्द बना सकता है करोड़पति
- रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में कैस डबल होंगे

*अगर आपके पास 20 साल का वक्त है तो आपको एक करोड़ जुटाने के लिए हर महीने केवल 10,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह अगर आप 25 साल के लिए निवेश करते हैं, तो मासिक निवेश राशि घटकर 5,880 रुपये हो जाती है। जैसे-जैसे आपकी निवेश अवधि बढ़ती है, आपको कम रकम निवेश करनी पड़ती है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न मिलता है तो एक करोड़ रुपये तक पहुंचने में कम समय लगेगा।*

### कैसे बनेंगे करोड़पति

# हर महीने कितना करना होगा निवेश

### क्या कहते हैं आंकड़े

| वार्षिक रिटर्न | अवधि (वर्ष) | एसआईपी राशि (रु.) |
|---|---|---|
| 12% | 10 | 44,640 |
| 12% | 15 | 21,020 |
| 12% | 20 | 10,880 |

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनना हर किसी का सपना होता है। लेकिन, इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए सही निवेश करना बहुत जरूरी है। इक्विटी म्यूचुअल फंड एक ऐसा निवेश विकल्प है जो आपको एक करोड़ रुपये के सपने को पूरा करने में मदद कर सकता है। अगला सवाल यह उठता है कि आपको कितना निवेश कितने समय के लिए करना होगा। यह ध्यान रखें कि आप कहीं भी निवेश करें, रातोंरात करोड़पति नहीं बन जाएंगे। इसमें समय लगेगा। इसके लिए आपको अनुशासन की जरूरत होगी। आपको नियमित रूप से निवेश करना होगा। नियमित रूप से अनुशासित निवेश करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को चुनना। यह न केवल एकमुश्त बड़ी रकम बनाने में मदद करता है, बल्कि आपको छोटी शुरुआत करने और धीरे-धीरे इसे बढ़ाने की इजाजत भी देता है। यहां तक कि अगर आप 1,000 रुपये के मासिक निवेश के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू करते हैं तो आप 10 सालों में 2.2 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। यह मानते हुए कि आपको 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, एसआईपी में एक छोटा सा निवेश भी लंबी अवधि में आपके धन को जबर्दस्त तरीके से बढ़ा सकता है।

### इन बातों पर करता है निर्भर

आपको हर महीने कितना निवेश करने की जरूरत है यह तीन प्रमुख बातों पर निर्भर करेगा- रिटर्न, समयसीमा और जोखिम उठाने की क्षमता। रिटर्न जो आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड से मिलेगा। आपके निवेश की समयसीमा वह समय होगा, जिसके भीतर आप अपने लक्ष्य को पाना चाहते हैं। वहीं, जोखिम उठाने की क्षमता से मतलब यह है कि आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। चूंकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में डेट निवेश की तुलना में अधिक जोखिम होता है, इसलिए यह लंबी अवधि के निवेश के लिए सही है। यह और भी बेहतर है कि अगर आप कम से कम सात साल के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप जितने लंबे समय तक निवेश को बनाए रहेंगे, अस्थिरता का जोखिम उतना ही कम होगा।

### कितना निवेश करें

मान लेते हैं कि आपको अपने म्यूचुअल फंड निवेश से 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। इसके आधार पर हम कैलकुलेशन करेंगे कि 10 साल, 15 साल, 20 साल, 25 साल में 1 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पाने के लिए आपको हर महीने कितना निवेश करना होगा। याद रखें कि म्यूचुअल फंड से रिटर्न के बारे में कोई गारंटी नहीं है। पिछले रिटर्न का इस्तेमाल सिर्फ रेफरेंस में किया जाता है ताकि यह कैलकुलेट किया जा सके कि आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। 10 साल में म्यूचुअल फंड निवेश (वार्षिक रिटर्न 12%) से 1 करोड़ कमाने के लिए आपको इस पूरी अवधि के दौरान हर महीने 44,640 रुपये का निवेश करना होगा। अगर आप इंवेस्टमेंट हॉरिजन को पांच साल और बढ़ाकर 15 साल कर सकते हैं तो आपको एक महीने में 21,020 का निवेश करना होगा। अगर आप पांच साल और प्रतीक्षा कर सकते हैं तो आपका मासिक निवेश काफी कम हो जाएगा।

### सेवानिवृत्ति के बाद ठाठ से कटेगा बुढ़ापा, नहीं होगी परेशानी

# 10 साल एक्सटेंड कराने पर पेंशन 130% बढ़ी

- नेशनल पेंशन सिस्टम बुढ़ापे के लिए बढ़िया विकल्प
- 18 साल से 70 साल की उम्र का नागरिक खुलवा सकता है

# एनपीएस को 5 साल कर दें एक्सटेंड 50% से ज्यादा बढ़ेगी मंथली पेंशन

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) केंद्र सरकार की एक पेंशन योजना है, जिसमें रिटायरमेंट को ध्यान में रखकर निवेश किया जा सकता है। यह बुढ़ापे लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। नेशनल पेंशन सिस्टम में कोई भी 18 साल से 70 साल की उम्र का भारतीय नागरिक (सरकारी कर्मचारी या निजी सेक्टर का कर्मचारी) अकाउंट खुलवा सकता है। एनआरआई भी इसके लिए योग्य हैं। अकाउंट खुलने के बाद 60 साल की उम्र तक या मैच्योरिटी तक यानी 70 साल तक इसमें कंट्रीब्यूट करना होता है। अगर एनपीएस की रिटर्न हिस्ट्री देखें तो अब तक इसने 8% से 12% सालाना रिटर्न दिया है। आमतौर पर एनपीएस में 60 की उम्र होने तक लक्ष्य बनाकर निवेश करने का ट्रेंड है, लेकिन अगर इसे 5 साल के लिए और एक्सटेंड कर दें तो मंथली पेंशन में 50 फीसदी से ज्यादा इजाफा हो सकता है। वहीं, अगर अकाउंट को 10 साल के लिए एक्सटेंड कर दिया जाए तो मंथली पेंशन में 130 फीसदी का इजाफा होगा. वहीं दोनों ही केस में रिटायरमेंट पर मिलने वाली लम्प सम रकम भी बढ़ जाएगी। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि 60 साल की उम्र के बाद कुछ इनकम का जरिया हो, जिससे आपको इस योजना को एक्सटेंड करने की सुविधा मिल जाए।

### 60 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 35 साल में कुल निवेशः 42 लाख
- निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- 35 साल पर कुल कॉर्पसः 2,30,91,751 रुपये (2.31 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- लम्प सम वैल्यूः 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थः 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी
- मंथली पेंशनः 76,973 रुपये (करीब 77 हजार रुपये)

### 65 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 40 साल में कुल निवेशः 48 लाख रुपये
- निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- 40 साल पर कुल कॉर्पसः 3,03,42,813 रुपये (3 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- लम्प सम वैल्यूः 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थः 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी

### 70 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 45 साल
- 45 साल में कुल निवेशः 54 लाख रुपए
- निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- 45 साल पर कुल कॉर्पसः 5,30,97,035 रुपये (5.30 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- लम्प सम वैल्यूः 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थः 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी
- मंथली पेंशनः 1,76,990 रुपये (1.77 लाख रुपये)



कैलकुलेशन से पता चलता है कि नेशनल पेंशन सिस्टम में अगर 60 साल की बजाए 70 साल की उम्र तक निवेश जारी रखें तो मंथली पेंशन में करीब 130 फीसदी का इजाफा (76,973 रुपये से बढ़कर 1,76,990 रुपये) हो रहा है।

### एनपीएस पर टैक्स बेनेफिट

एनपीएस में निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तीन अलग-अलग सेक्शंस के तहत टैक्स बेनेफिट मिलता है। सेक्शन 80सीसीडी 1) के तहत एक फाइनेंशियल ईयर में इसमें 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर डिडक्शन बेनेफिट मिलता है। यह डिडक्शन, सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की ओवरऑल लिमिट में आता है। एनपीएस पर सेक्शन 80सी डिडक्शन के ऊपर भी अतिरिक्त टैक्स छूट का फायदा मिलता है। यह एडिशनल डिडक्शन सेक्शन 80सीसीडी (1बी) के तहत 50,000 रुपये तक मिलता है। कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस के टियर-1 अकाउंट्स में निवेश करके 50,000 रुपये तक एडिशनल डिडक्शन का फायदा ले सकता है। इस तरह कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस में इनवेस्ट करके एक फाइनेंशियल ईयर में 2 लाख रुपये के ओवरऑल टैक्स बेनेफिट को क्लेम कर सकता है। 2 लाख रुपये की लिमिट के ऊपर एंप्लॉयर की तरफ से किए गए किसी कंट्रीब्यूशन पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत डिडक्शन का फायदा मिलेगा।

## खबर संक्षेप

### ईंटों की फैक्ट्री में घुसकर जान से मारने की धमकी देने पर दो नामजद

**मंडी अटेली।** पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर दो नामजद सहित तीन लोगों के खिलाफ फैक्ट्री में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। चंदपुरा निवासी अभिषेक ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह गांव के ही निवासी साथी अभिषेक के साथ मिलकर में ईंटों की फैक्ट्री में काम करता है। जब वह ईंट डालकर वापस अपनी फैक्ट्री में आया तो उसके साथी अभिषेक व उनके पिता को गत 28 जून को करीब दोपहर दो बजे एक गाड़ी में यशवंत चंदपुरा व अमित माजरा तथा एक अन्य लड़का उनकी फैक्ट्री में आए और अभिषेक व उसके पिता को फैक्ट्री के कमरे में घुसकर जान से मारने की धमकी देकर उसके साथी को फैक्ट्री से हटाने के लिए कहा। यह घटना फैक्ट्री में कैमरे में रिकार्ड हो गई है। आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें। अटेली कृष्ण पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

## 'गुरमत सिखलाई कैंप' का समापन

# गुरुओं के मार्ग पर चलकर धर्म का मान बढ़ाएं सिख : बलजीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध एवं धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादुवाल के नेतृत्व चल रहे 'गुरमत सिखलाई कैंप' का शनिवार समापन हुआ। इस विषय में जानकारी देते हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार तजिन्द्पाल सिंह नीनू ने बताया कि एक माह तक चले इस कैम्प का शुभारम्भ दो जून को किया गया था। जिसका संचालन सुबह नौ से 11 बजे तक प्रातः कालीन सत्र गुरद्वारा गुरुनानक पुरा एवं सांयकालीन सत्र पांच से सात बजे तक गुरुद्वारा ढाणी किरारोद में किया गया। इस कैम्प में बच्चों एवं संगत को पंजाबी भाषा की शिक्षा, धर्म की जानकारी, गुरुज्ञान का प्रशिक्षण, गुरुमुखी लिपि की प्रारंभिक शिक्षा, कीर्तन सिखलाई, पगड़ी बांधना, गुरुबानी पढ़ना जैसे बेसिक प्रशिक्षण प्रदान किए गए। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप हरियाणा सिख गुरुद्वारा धर्म प्रचार चेयरमेन जत्थेदार बलजीत सिंह दादुवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर बोलते हुए दादुवाल ने कहा कि दुनिया में सिख पंथ का अपना एक पवित्र एवं अनुपम स्थान है। सिखों के प्रथम गुरु, गुरुनानक देव सिख धर्म के प्रवर्तक हैं। गुरुओं ने भारतीय समाज में व्याप्त कुप्रथाओं, अंधविश्वासों, जर्जर रूड़ियों और पाखण्डों को दूर करते हुए प्रेम, सेवा, परिश्रम, परोपकार और भाई-चारे की दृढ़ नीव पर सिख धर्म की स्थापना की। हम सब को सिखी का सही अर्थ समझकर सामाजिक सद्भाव, प्रेम और भाईचारे के साथ रहना चाहिए। समागम समारोह में गुरमत समागम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन रागियों ने कीर्तन एवम गुरबानी का पाठ किया एवं शब्द हाजरी भरी। कैम्प के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन वाले बच्चों को प्रमाणप्त्र प्रदान किए गए। इस मौके पर क्षेत्रीय धर्म प्रचार सरबजीत सिंह जम्मू, प्रभारी गुरमेल सिंह कुरुक्षेत्र, प्रचारक गोपाल सिंह, गुरमीत सिंह करनाल, जसवंत सिंह ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के बाद गुरु का लंगर छका गया, जिसमें हजारो की संख्या में सांगत ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

नारनौल। गुरमत सिखलाई कैंप के समापन पर बलजीत सिंह दादुवाल का स्वागत करते सिख संगत। फोटो : हरिभूमि

# शिक्षकों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। प्रशिक्षत शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित करती बीआरसी सुनीता यादव।

पीएम श्री गर्ल्स सीनियर सकेंडरी स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया है। समापन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य रघुबीरसिंह पटेल ने की। जिसमें बीआरसी सुनीता यादव व एपीसी हरमिंद्र यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों को सरल पद्धति से पढ़ाई कराने का संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र का विकास शिक्षा व शिक्षण व्यवस्था पर निर्भर है। जिस राष्ट्र की शिक्षा का स्तर ऊंचा है, उसमें बेरोजगारी समस्या नहीं बन सकती। क्योंकि युवाओं में रोजगारमुखी शिक्षा की प्रतिस्पर्धा रहती है। इसलिए सरकार ने शिक्षण व्यवस्था में सुधार करते हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शिक्षकों को नई शिक्षा पॉलिसी से अवगत कराया गया है। समापन समारोह में पीएमश्री सीनियर सकेंडरी स्कूल नांगल दुर्गू व नायन स्कूल के प्रशिक्षत शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। इस मौके पर नायन स्कूल की प्राचार्या कैलाश यादव, रामगोपाल, बीआरपी सुमित्रा यादव, सीमा संघी, राजेंद्र प्रसाद, गरिमा चौधरी, ज्योति एबीआरसी ने विचार व्यक्त किए हैं।

# विद्यालय के सभी सदस्यों को बताया जीवन में कैसे बांटे खुशियां

**नारनौल।** सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हैप्पी नैस फाउंडेसन की तरफ से महेश कुमार ने विद्यालय के सभी सदस्यों को जीवन में खुशियां बांटने के बारे में बताया और जीवन में कैसे खुश रहना चाहिए, इससे सभी को अवगत कराया। इसी के साथ हमारे जीवन में पर्यावरण का क्या महत्व है, इस विषय पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सभी को पौधे लगाने चाहिए और पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या क्षमा पाण्डेय और विद्यालय के संचालक मुकेश शर्मा, प्रबंधक लोकेश शर्मा सहित अध्यापगण उपस्थित थे।

## जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बाबा गोसाईं अखाड़ा सतनाली के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन

**सतनाली मंडी।** बाबा गोसाईं अखाड़ा के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय अखाड़ा कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अखाड़ा के मुख्य कोच अनिल कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 24-25 जून को आयोजित जिला कुमार, जिला केसरी अखाड़ा प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अखाड़े के लखन, जतिन, साहिल, देवांशु, पियूष, विशेष, भूपेंद्र, सुमित, राहुल शर्मा ने प्रथम स्थान तथा सौरभ, रमन, सतेंद्र, दीपक ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में यशोदा, काजल, प्रीति, अलका ने प्रथम और निशा, बबीता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में साहिल ने जिला कुमार तथा काजल ने जिला कुमारी का पुरस्कार जीता। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शुक्रवार सांय अखाड़े में सम्मान समारोह का आयोजन कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ओमप्रकाश फौजी, दीवान शेखावत, होशियार सिंह ढिल्लु शेखावत, नीरज, मुंशी सिंह, जितेंद्र, राकेश, भवानी पंच, संजय पंच, सोहन सिंह, पवन, मुकेश, मुन्नीलाल पहलवान, गोविंद व अनिल कोच आदि उपस्थित रहे।

# जनरल ईडीपी प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर की ओर से ग्राम नांगल सिरोही में चल रहे जनरल ईडीपी प्रशिक्षण का शनिवार समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। वरिष्ठ प्रबन्धक सतबीर सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप किसी भी व्यवसाय को एक छोटी इकाई से आरम्भ करके धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा स्कीम प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के निदेशक एचआर सभरवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को समय का महत्व समझाते हुए समय प्रबन्धन पर जोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसी भी कार्यक्षेत्र में यदि आपका भावनात्मक लगाव है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि उस क्षेत्र में आपको सफलता की प्राप्ति ना हो।

इसलिए जिस भावना से आप यहां प्रशिक्षण लेने के लिए आए हो उसी के अनुरूप आपको प्रशिक्षण लेना चाहिए तथा उसे अपने व्यवसाय के रूप में स्थापित करें। इस कार्य के लिए यदि आपको ऋण की आवश्यकता होगी तो संस्थान की ओर से उपयुक्त सहयोग प्रदान किया जाएगा, बर्शेते जिस कार्य के लिए आप ऋण ले रहे हो उस राशि को उसी कार्य में खर्च किया जाए ताकि भविष्य में ऋण चुकता करने के लिए आपको किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस मौके पर संकाय कुलदीप सिंह, अतिथि संकाय किरोस्ता के अलावा गिरधर स्वयं सहायता समूह नांगल सिरोही की प्रधान सपना देवी एवं शिवम स्वयं सहायता समूह नांगल सिरोही की प्रधान कविता देवी मौजूद थी।

नारनौल। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

## कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आज, पूर्व सीएम और अध्यक्ष उदयभान करेंगे शिरकत

**नारनौल।** कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन 30 जून को शहर में रेवाड़ी रोड स्थित सीएल फार्म हाउस में सुबह 11 बजे होगा। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्य अतिथि होंगे। अध्यक्षता हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौ उदयभान करेंगे। इस संबंध में नारनौल खंड सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अतेंद्र यादव ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन मुख्य रूप से प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुए किया जाएगा। जिस प्रकार से आज ना केवल जिले के लोग बल्कि प्रदेश के लोग कांग्रेस की सरकार लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को 28 प्रतिशत वोट मिला था जो आज 20 प्रतिशत बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया और वहीं भाजपा का 58 प्रतिशत से घट कर 46 प्रतिशत रह गया। ये इस बात को साबित करता है कि आने वाले समय मे निश्चित रूप से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आह्वान किया।

# गंदे पानी की निकासी न होने से जलभराव की समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

गांव सागरपुर में सिहमा को जाने वाले मुख्य मार्ग पर छत्तरी वाले कुएं के समीप लंबे समय से गंदे पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में नालियों का गंदा पानी लगातार सड़क पर बहता रहने से जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। ग्रामीणों के बार-बार शिकायत करने के बावजूद न ग्राम पंचायत ध्यान दे रही है और न ही खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कुछ कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के चौ भरपूर सिंह, नंदकिशोर, छाजूराम, रोहताश गोलिया, डॉ. इंद्र, कर्ण सिंह व तेजपाल ने बताया कि सागरपुर में दो साल से गंदे पानी का ठहराव बना हुआ है। निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने से गंदे पानी ने अब जोहड़ का रूप धारण कर लिया है। इसके चलते ग्रामीणों को गंदे पानी के अंदर से आवागमन करना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम पंचायत के साथ-साथ बीडीपीओ सिहमा को भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। जलभराव और गंदगी के कारण लोगों का रास्ते से निकलना मुश्किल हो रहा है। गांव सागरपुर से ही नारनौल-रेवाड़ी मार्ग की तरफ जाने वाले लोग यही से महेंद्रगढ़, कनीना की तरफ जाने का रास्ता होने के कारण वाहनों का आवागमन लगा रहता है। वहीं, ग्रामीणों को गंदे पानी में मच्छर-मक्खी पैदा होने से बीमारी फैलने का डर भी सता रहा है। ग्रामीणों ने गंदे पानी के निकासी के लिए नाले के समाधान की मांग की है।

मंडी अटेली। सागरपुर में छत्तरी वाले कुएं के समीप भरा पानी। फोटो : हरिभूमि

# अध्यापक समाज की होता है रीढ़ः संतोष चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली में चल रहे तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शनिवार को विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार चौहान ने कहा कि अध्यापक समाज की रीढ़ होता है, जिस पर समाज व राष्ट्र का ढांचा टिका हुआ है। इसलिए एक अध्यापक को चाहिए कि वह समसामयिक ज्ञान से अपडेट होकर बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग प्रदान करे। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. देवेंद्र हरित ने कहा कि शिक्षण एक विकसित कौशल है, लिए एक शिक्षक को कक्षा में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुद में निखार करते रहना चाहिए। खंड संसाधन संयोजक मुकेश शर्मा ने शिक्षण में प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान हमें शिक्षण की नवीन तकनीकी का ज्ञान होता है, जिससे हम अपने अध्यापन कार्य को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। हिंदी प्रवक्ता डॉ. सीएस वर्मा ने जीवनपथ पर चलते राही, अपना फर्ज निभाता चल... काव्य पंक्तियों के माध्यम से प्रतिभागी अध्यापकों को निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पीएम श्री स्कूलों के 44 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला में शिक्षण कार्य को रोचक बनाने तथा समस्या समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर पीएम श्री स्कूल के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह, मॉडल संस्कृति स्कूल प्राचार्य राकेश कुमार आदि मौजूद थे।

मंडी अटेली। प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार चौहान। फोटो : हरिभूमि

## यदुवंशी ग्रुप ने शुरू की सुपरब-100 स्कीम

**नारनौल।** हमारे देश में बहुत से बच्चे साधनों के अभाव में शिक्षा में वंचित हो जाते हैं। बच्चे अच्छे स्कूलों एवं कॉलेजों में पढ़ना चाहते हैं। हमने सुपरब 100 स्कीम प्रारम्भ की है, जिसमें बच्चे 9वीं से 12वीं तक मुफ्त पढ़ेंगे तथा 12वीं पास बच्चे भी मुफ्त में कोचिंग करेंगे। ये बातें यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सुपरब 100 की शुरुआत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कोई भी विद्यार्थी जो नौवीं से 12वीं कक्षा में पढ़ता है या पास कर चुका है, वह आई केन डू टेस्ट में सात जुलाई को शामिल होकर इस स्कीम का लाभ ले सकता है। सुपरब 30 के बच्चे हॉस्टल में रहकर तैयारी करेंगे। आई केन डू टेस्ट यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नारनौल, हांसी तथा गुरुग्राम सेक्टर 92 में आयोजित किया जा रहा है। इस सुपरब 100 के टेस्ट में आने वाले बच्चे किसी भी स्कूल से आ सकते हैं उन्हें स्कूल तथा हॉस्टल सुविधा मुफ्त में रहेगी।

# सूरज कॉलेज का निशांत 81.4 % अंक लेकर रहा तृतीय

**महेंद्रगढ़।** इंदिरा गांधी विवि मीरपुर द्वारा स्नातक स्तर की परीक्षा बीसीए द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। संदीप प्रसाद ने बताया कि बीसीए द्वितीय सेमेस्टर का छात्र निशांत शर्मा पुत्र जयराम शर्मा निवासी मारोली ने 81.4 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा एवं कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा मुस्कान पुत्री अजीत सिंह निवासी लोहाना ने 77 प्रतिशत अंक के साथ कॉलेज में द्वितीय एवं गगन पुत्री अनूप कुमार निवासी भुरजट ने 76.6 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा रजनी कुमारी पुत्री राजपाल ने 76.6 प्रतिशत, एकता पुत्री सुजान सिंह ने 75.6 प्रतिशत, वंशिका पुत्री सुरेश कुमार ने 73.4 प्रतिशत, आकांक्षा पुत्री श्यामसिंह ने 73.4 प्रतिशत, मुस्कान पुत्री करण सिंह ने 71 प्रतिशत, प्रवीण पुत्र देवेंद्र कुमार ने 70.4 प्रतिशत, रिया पुत्री हेमंत कुमार ने 69.4 प्रतिशत, हिमानी तायल पुत्री कपिल कुमार ने 69.2 प्रतिशत, शिवा पुत्र पवन कुमार ने 68.8 प्रतिशत, अजय कुमार पुत्र संदीप कुमार ने 68.6 प्रतिशत, मनीषा पुत्री संजय कुमार ने 68.4 प्रतिशत, इसी क्रम में बीसीए चतुर्थ सेमेस्टर की रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 76.2 प्रतिशत, आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 67.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेधावी सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के परिश्रम व शिक्षको के मार्गदर्शन का परिणाम है।

निशांत शर्मा

छात्रा गगन

छात्रा मुस्कान

# मोहल्ला खड़खड़ी में भंडारा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर के मोहल्ला खड़खड़ी में नेत्रहीन कन्या विद्यालय के पास स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में शनिवार को भंडारे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह भंडारा कार्यक्रम समस्त मोहल्लावासियों के सहयोग से आयोजित किया। सर्वप्रथम सुबह 11 बजे हनुमानजी को भोग लगाया गया। उसके बाद आने-जाने वाले सभी लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस विषय में जानकारी देते हुए आयोजक मंडल के सदस्य हेमंत चौबे ने बताया कि इस भंडारे का आयोजन क्षेत्र में अच्छी वर्षा हेतु किया गया। उन्होंने बताया कि आज शनिवार हनुमानजी का वार है और क्षेत्र में काफी समय से भीषण गर्मी व उमस के कारण लोगों का बुरा हाल हो रहा है। इसके अलावा यह क्षेत्र कृषि प्रधान है और यहां जब तक अच्छी वर्षा नहीं होगी, तब तक न तो किसानों की फसल होगी और न ही व्यापारियों का काम चलेगा। उन्होंने बताया कि इसी कारण आज हनुमानजी का भंडारा आयोजित कर क्षेत्र में अच्छी वर्षा के लिए हनुमानजी से प्रार्थना की गई। उन्होंने बताया कि जैसे ही हनुमानजी का भंडारा संपन्न हुआ, वैसे ही एकबार तो वर्षा भी हुई।

भंडारे में काफी संख्या लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में नरसिंह दायमा, पवन गोरू, राजेंद्र, जसवंत, दयाराम, रवि, सतीश यादव, राजेश शर्मा, मोहन, प्रकाश, कपिल, धीरज, पवन, सचिन बंसल, दिनेश, प्रिंस, देवकी चौहान, कैलाश, मनोज, हरिकिशन, टींकू, यशपाल, सीत्ते सरदार, सुमन शर्मा, सुरेश सैनी व हिम्मत आदि का विशेष सहयोग रहा।

नारनौल। प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

# सीएससी के माध्यम से लोगों को सेवा देने में राकेश मंढाणा व हितेश सेका प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सीएससी सेंटर आज के समय में आम आदमी की जरूरत बन गई है। केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की प्रत्येक योजना को ऑनलाइन करने के लिए नागरिकों को सीएससी सेंटर का सहारा लेना होता है।

सीएससी सेंटर पर पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बिजली बिल, हरियाणा निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, पीएम सम्मान निधि, बिजली नए कनेक्शन, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पीएम फसल बीमा योजना, पैसों का लेनदेन जैसी अनेक योजनाएं सीएससी के माध्यम से ही ऑनलाइन करनी होती है। जिले के प्रत्येक गाँव में दो से तीन सीएससी सेंटर स्थापित है। इस समय जिले में एक हजार से अधिक सीएससी सेंटर चल रहे है। जिला प्रबंधक सचिन कुमार ने जानकारी देते हुए कहा है कि पिछले छह माह से लगातार राकेश कुमार मंढाणा तथा हितेश कुमार सेका सीएससी के द्वारा लोगों को सेवा पहुंचाने में प्रथम स्थान पर आए है।

राकेश कुमार

हितेश कुमार

## दोपहर एक व शाम सात बजे होगा शो

# जादूगर सम्राट शंकर के शो का आज आखिरी दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मोबाइल व टीवी से चिपके रहने की बजाय नागरिकों को रविवार को पीजी कॉलेज में पहुंचकर जादू का शो देखना चाहिए। अंतिम दिन भी दोपहर एक बजे तथा शाम सात बजे विश्व विख्यात महान जादूगर शंकर सम्राट के शो होंगे। इसके बाद यह टीम दूसरे जिले के लिए प्रस्थान करेगी। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से विश्व विख्यात महान जादूगर शंकर सम्राट के शो 27 जून से राजकीय पीजी कॉलेज में चल रहा है। 30 जून को आखिरी शो है। यह शो परिवार के साथ बैठकर देखने का बेहतरीन शो है। एक तरफ जहां परिवार का स्क्रीन टाइम कम होगा वही बच्चों को जादुई कलाओं के बारे में जानकारी मिलेगी। इस शो की खास बात यह है कि इसमें हर रोज सामाजिक मुद्दों पर भी संदेश दिया जाता है। नशा की प्रवृति, जल बचाओ, पेड़ लगाओ, बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ आदि विषयों पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए बेहतर समाज के निर्माण का संदेश दिया जा रहा है। जादूगर शंकर ने नागरिकों से आह्वान किया कि वर्तमान समय में बच्चे अधिक से अधिक गैजेट्स का प्रयोग कर रहे हैं, जिनका उनके जीवन पर दुष्प्रभाव भी पड़ता है। ऐसे में यह जरूरी है कि बच्चों को इन गैजेट्स के दुष्प्रभावों से बचाने व जादुई कलाओं से जुड़ी हमारी समृद्ध संस्कृति से रूबरू करवाने के लिए इस प्रकार के मनोरंजक आयोजनों से अवगत कराया जाए।

नारनौल। लड़की को हवा में उड़ाते जादूगर सम्राट शंकर। फोटो : हरिभूमि

## खबर संक्षेप

### प्रजापत समाज की वार्षिक मीटिंग आज

**नांगल चौधरी।** नांगल कालिया में प्रजापत समाज की वार्षिक मीटिंग 30 जून को प्रधान जोगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगी। जिसमें सालभर का लेखाजोखा प्रस्तुत करने के बाद मेधावी छात्र सम्मान समारोह की रूपरेखा बनाई जाएगी। संस्था ने समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने के लिए गांव वाइज कमेटी बनाई है। जिसके प्रयासों की बदोलत शिक्षा का प्रसार संभव हो पाया है तथा सामाजिक कार्यों में रूझान बढ़ा है। इस साल मेधावी विद्यार्थियों को सममानित करने का निर्णय लिया है। जिसकी तैयारियों को लेकर मीटिंग में मंथन किया जाएगा। इस साल संगठन का कार्यकाल भी पूरा हो जाएगा, चुनावी प्रक्रिया पर भी चर्चा की जाएगी।

### गोशाला में श्रीराम कथा एवं दुर्लभ सत्संग 4 से

**सतनाली मंडी।** श्री बांके बिहारी गोशाला जड़वा में ब्रह्मचारी आनंद महाराज के सानिध्य में चार जुलाई से सात दिवसीय श्रीराम कथा एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम के तहत गोशाला परिसर में साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत चार जुलाई को सुबह पांच बजे से प्रार्थना एवं प्रवचन एवं प्रभात फेरी, दोपहर एक बजे भजन संकीर्तन एवं उसके उपरांत कथा व्यास किशन महाराज के सान्निध्य में 3:30 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद ब्रह्मचारी आनंद महाराज के सान्निध्य में सायं 3:30 से 4:30 बजे तक दुर्लभ सत्संग, रात्रि आठ बजे से भजन संकीर्तन एवं भक्तों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर कार्यक्त्रम आयोजित किया जाएगा।

### विवाहिता बच्ची को लेकर अचानक हुई लापता

**महेंद्रगढ़।** क्षेत्र के एक गांव से एक विवाहित महिला अपनी बेटी के साथ घर से अचानक लापता हो गई है। पति की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवाहिता के पति ने सदर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। 27 जून को जब वह शाम को काम से वापस अपने घर आया। तब उसने देखा कि उसकी 26 वर्षीय पत्नी व एक साल की बेटी उसे घर पर नहीं मिली। उसने आसपास में पता किया लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। तब उसने अपने ससुराल पता किया तो उसकी पत्नी वहां भी नहीं पहुंची थी। उसकी पत्नी घर से 12 बजे उसकी एक साल की बेटी को लेकर कहीं चली गई। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। उसकी पत्नी व बेटी के गुम होने की शिकायत दर्ज की जाए और उनकी तलाश की जाए। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीआईए गोड़ मोहल्ला खड़खड़ी में भरा बरसात का पानी

पुरानी कचहरी के समीप पुराने जीजीबी वाली गली में भरा पानी

महेंद्रगढ़। मोहल्ला खटीकान के पास कूड़े के ढेर में अटा पड़ा नाला। फोटो : हरिभूमि

# हर साल लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद शहर में बनी है जलभराव की समस्या

## शहर में नगर परिषद ने गलियों एवं सड़कों से ऊंचे बना रखे हैं मुख्य नाले, महावीर चौक से जुड़े सभी नाले बने हैं ऊंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगरपरिषद हर साल शहर को जल भराव से मुक्ति दिलाने के लिए लाखों रुपये खर्च करती है, लेकिन अब तक जिला मुख्यालय को इस समस्या से मुक्ति नहीं मिल पाई है। इससे शहरवासी परेशान हैं और नगर परिषद के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। कमाल की बात है कि नगर परिषद में जल निकासी के नालों का निर्माण भी ऐसे ढंग से किया गया है कि नाले तो ऊंचे बना दिए गए हैं, जबकि गलियां एवं सड़के नीचे बने हुए हैं। यह हाल तब है, जब नगर परिषद में टेक्नीकल ब्रांच से लेकर जेई, एमई, एक्शन एवं ईओ तक कार्यरत हैं। यह सभी अधिकारी डिप्लोमा/डिग्री धारक हैं और नाले जमीनी स्तर से ऊंचे ही बनाते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पानी अपने आप उछल कर इन नालों में जाएगा? समूचे इलाके में मानसून दस्तक दे चुका है और अब तक दो बार ठीकठाक बरसात भी हो चुकी है। इस बरसात में जलभराव ने शहर में नगर परिषद के जल निकासी के इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। जहां पहले जलभराव होता था, वहां अब भी जलभराव होता है।

यह एरिया मोहल्ला रावका में व्यासजी वाली गली, पुरानी कचहरी के समीप पुराने जीजीबी वाली गली, साईंबाबा चौक, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने, पार्क गली, मोहिनी सिनेमा गली, सीआईए रोड, मेहता चौक, ब्वॉयज आईटीआई के साथ मुख्य सड़क आदि ऐसे अनेक स्थान हैं, जहां जलभराव होता है और लोग बरसात एवं नालियों के गंदे पानी से गुजरने को मजबूर हो रहे हैं। शनिवार दोपहर को जब बरसात हुई, तब भी इन एरिया समेत अनेक स्थानों पर जलभराव की समस्या हो गई।

नगर परिषद हालांकि जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए हर साल लाखों रुपये खर्च कर रही है, जिसके चलते शहर में विभिन्न मार्गों पर छोटे नालों का निर्माण किया गया है। पिछली नगर परिषद के कार्यकाल में महावीर चौक से रेवाड़ी रोड पर वन विभाग की जंगलात तक तथा महावीर चौक से सिंघाना रोड, महेंद्रगढ़ रोड एवं पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस तक पक्के नालों का निर्माण किया गया था, लेकिन नगर परिषद में जेई, एमई, एक्शन एवं ईओ जैसे टेक्नीकल पद भरे हुए होने के बावजूद नाले सड़कों एवं गलियों से ऊंचे बना दिए गए हैं। नाले ऊंचे एवं गलियां एवं सड़कें नीची होने के कारण बरसात का पानी इन नालों में जाकर बहने की बजाए गलियों एवं सड़कों में ही भरा रहता है और लोग एवं वाहन इसी पानी में से आते-जाते रहते हैं। वाहनों के कारण पानी के छींटे वहां से गुजर रहे लोगों के कपड़ों पर गिरते रहते हैं और वह जलभराव के नगर परिषद एवं जिला के प्रशासनिक अधिकारियों को कोसते रहते हैं। गौर करने की बात यह है कि हाल ही में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से तालाब बहादुर सिंह की तरफ पक्के नालों का निर्माण किया गया है।

यह नाला पुरानी कचहरी एरिया में भी बनाया गया है, जहां पर भी यह सड़क से ऊंचा बनाया गया है और बरसात के पानी की निकासी के इन नालों के जरिए कोई चांस ही नहीं है। ऐसे में प्रदेश सरकार और यहां के जनप्रतिनिधियों को इन नालों के निर्माण में बरती गई चूक की जांच कराने एवं दोषियों के विरुद्ध संज्ञान लेने की आवश्यकता है, क्योंकि जनता के गाढ़े खून-पसीने की कमाई से टैक्स के रूप में सरकार द्वारा वसूला गया पैसा हुआ ही इन नालों के निर्माण पर खर्च किया गया है।

नारनौल। पशु अस्पताल के सामने सड़क से ऊंचा बनाया गया बरसाती नाला व पार्क गली में ओवरफ्लो होता सीवर। फोटो : हरिभूमि

### शहर के लोग सीवरों से भी हैं परेशान

बरसात के दिनों में शहर का सीवर भी फेल हो जाता है, क्योंकि नगर परिषद के पिछले कार्यकाल में जहां नाले सड़कों एवं गलियों से ऊंचे बना दिए गए थे, वहीं शहर की सीवर लाइनों से जल निकासी के कनेक्शन जोड़ दिए गए थे। तभी से बरसात का पानी भी सीवर लाइनों में जाने लगा है। यही वजह है कि बरसात में सीवर ओवरफ्लो होते रहते हैं और इनकी गंदगी सड़कों पर बहती रहती है। पार्क गली समेत विभिन्न गली-मोहल्ला के लोगों का तो सीवर बहने से जीवन ही नरक बना हुआ है।

### शहर का मुख्य नाला ही नहीं किया साफ

मानसून सीजन आने से पहले नगर परिषद जल निकासी के प्रबंधों के तहत शहर के सभी छोटे-बड़े नालियों एवं नालों की सफाई करवाती है। शहर का मुख्य छलक नाला भी इस योजना का हिस्सा रहता है। करीब दस लाख रुपये का बजट हर साल नालों की सफाई पर खर्च होता है, लेकिन अबकी बार नगर परिषद ऐसी हरकत में ही नजर नहीं आई, क्योंकि छलक नाला पिछले पांच सालों से पक्का बनाया जा रहा है, जो अब तक आधा-अधूरा ही है। पेमेंट के विवाद के कारण इसके अधूरे निर्माण को दोबारा से शुरू नहीं किया जा सका है, जिस कारण अधूरे नाले की नगर परिषद ने सफाई कराने की जहमत नहीं उठाई। इस मुख्य नाले ही नहीं, अन्य नालों पर भी सफाई का उस स्तर पर कार्य नहीं हुआ कि पानी स्वतः बहकर निकल जाए। इसी कारण शहर में जगह-जगह जलभराव हो रहा है, जो लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

नारनौल। पार्क गली में भरा सीवर एवं बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

### अधिकारी मुकरे

इस बारे में नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता सुंदर सिंह श्योराण से बात की गई तो उन्होंने नालों के नगर परिषद के होने से साफ इंकार करते हुए कहा कि शहर में नालों का निर्माण पीडब्ल्यूडी ने करवाया है, ना कि नगर परिषद ने।

# महेंद्रगढ़ में नालों की अब तक नहीं करवाई सफाई

■ शहर के ज्यादातर नाले गंदगी से भरे हैं, मानसून के सीजन में जलभराव की समस्या हो सकती है उत्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मौसम विभाग के अनुसार महेंद्रगढ़ क्षेत्र में इस बार मानसून कभी भी दस्तक दे सकता है। वहीं बारिश के मौसम में नगर में जलभराव की स्थिति नहीं बने, इसलिए नगर पालिका द्वारा हर साल नालों की सफाई की जाती है। इसमें करीब 10 से 12 दिन का समय लगता है, लेकिन नपा अधिकारियों ने अब तक इसके लिए अभी तक कोई कार्ययोजना तैयार नहीं की है। पिछले साल भी नाले, नालियों की ठीक प्रकार से साफ-सफाई नहीं होने से नगर के कई वार्डों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई थी और आगामी कुछ दिनों तक नपा का इसी प्रकार का रवैया रहा तो स्थानीय लोगों को बारिश होते ही एक फिर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल शहर के ज्यादातर नाले गंदगी से भरे हुए हैं। आमतौर पर यह प्रक्रिया मई से पहले ही पूरी हो जाती है, लेकिन इस बार इसकी शुरुआत भी नहीं हो सकी है, जिस कारण आशंका है कि बारिश में जलभराव एक बार फिर से लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। समय पर नालों की सफाई न होने से वहां गंदगी भरी है। पॉलीथिन से लेकर प्लास्टिक की बोतले, ईंट-पत्थर भी है। इसके अलावा कई नाले के साइड में बड़ी-बड़ी झाड़िया उगी हैं।

बता दें कि शहर में बरसात के दिनों में जलभराव की भयंकर समस्या हो जाती है। हल्की सी बरसात में ही नाले ओवरफ्लो हो जाते हैं। आलम यह है कि नगर पालिका कार्यालय भी जलभराव से अछूता नहीं रहता तथा उसके पास बालाजी चौक व शंकर मार्केट में तो सड़क पर जलभराव होते ही नाले का गंदा पानी दुकानों में घुस जाता है। इसकी वजह से व्यापारियों को भारी नुकसान होता है। ऐसा नहीं है कि नगर पालिका इस समस्या से अनजान है।

### बरसात के मौसम में इन में होता है जलभराव

बरसात के सीजन में शहर के अनेक मोहल्लों व बाजारों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होती हैं। शहर के मोहल्ला महायचान, बालाजी चौक, नगर पालिका कार्यालय, खाद्य पूर्ति विभाग कार्यालय, गंगा देवी पांड्ये नेत्र चिकित्सालय, डुलाना रोड, रेलवे फ्लाईओवर के नीचे, सतनाली चौक, स्टेट हाईवें, ब्रह्मचारी रोड, एसडीएम आवास के सामने, ऑटो मार्केट, पुराना कोर्ट सहित अनेक जगहों पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती हैं।

### यहां बने हुए हैं पालिका के नाले

मोहल्ला सैनीपुरा से धोलपोश गोशाला, माजरा फाटक से लेकर डुलाना रोड, मौहल्ला खटीकान से मोहल्ला वाल्मीकि, आजाद चौक से लेकर पुराने बीईओ कार्यालय तक, मोहल्ला कोकाबंगड़ी से लेकर मोदाश्रम तक, आजाद चौक से बालाजी चौक, सराफा बाजार, मोहल्ला ढाणी सहित अनेक जगह पर नगर पालिका द्वारा नाले बनवाए गए हैं। लेकिन अभी तक इन नालों को सफाई नहीं की हैं।

### नालों पर अतिक्रमण शहरवासी परेशान

शहर में सब्जी मंडी रोड, 11 हट्टा बाजार, सर्राफा बाजार और गोशाला रोड नगर पालिका द्वारा नाले का निर्माण तो किया, लेकिन दुकानदारों द्वारा नाले के ऊपर अवैध निर्माण किया हुआ है। कई स्थानों पर पता ही नहीं चलता है कि यहां पर नाला का भी निर्माण किया गया है। इसके अलावा दुकानदारों नाले पर सीली व बैंच डालकर कब्जा जमाए बैठे हुए हैं। लोगों द्वारा कई बार प्रशासन से नाला से अवैध निर्माण हटाने की मांग की जा चुकी है।

### जल्द होगी नालों की सफाई

नगर पालिका प्रशासन सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर है। अधिकारियों को शहर के नालों की सफाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। शहर में जल्द ही नालों की सफाई कराई जाएगी। **-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़**

कनीना। रेडक्रॉस व स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थित में आयोजित शिविर में रक्तदान करते युवा। फोटो :हरिभूमि

# रक्तदान शिविर में एकत्रित हुआ 47 यूनिट रक्त

**कनीना।** गांव खरकड़ा बास में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सौजन्य से शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ राजेंद्र सिंह ने किया। बाबा दयाल मेला समिति के सहयोग से राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस रक्तदान शिविर के लिए सैकड़ों युवाओं ने पंजीकरण कराया। शिविर में 47 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सिविल सर्जन नारनौल के दिशा-निर्देशन में रैडक्रॉस तथा स्वास्थ विभाग के कर्मचारी मौके पर पंहुचे और युवाओं के विभिन्न टेस्ट करने के बाद रक्तदान की प्रक्रिया शुरू की गई। ग्रामीण सतवीर सिंह ने बताया कि रक्तदान को महादान की संज्ञा दी गई है। दान किया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में अकाल मौतें हो रही हैं। प्रत्येक व्यक्ति सावधानी बरते तथा सुरक्षित रहे। रक्त की आवश्यकता जरूरतमंद व्यक्ति को है सड़क को नहीं। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को छह माह बाद रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने वाले युवाओं को रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. दिशांत, नर्सिंग ऑफिसर अनीता यादव, सुनील, प्रमिला, सुरभि, काउंसलर पवित्रा, लैब टेक्नीशियन विवेक यादव, सीटी अरुण व वार्ड बॉय रवि, पूर्व सरपंच बलवान सिंह, हरिसिंह, हनुमान खटाणा, संजय निंबल व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

■ रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल व स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों ने संभाला मोर्चा